CLASS : 10th (Secondary) **4257/4207**

Series : Sec. M/2019

Total No. of Printed Pages : **64** ***SET : A, B, C & D***

MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

SOCIAL SCIENCE

(History, Political Science, Geography and Economics)

(Academic/Open)

(Only for Fresh/Re-appear Candidates)

उप-परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।

General Instructions :

(i) *Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.*

(ii) *Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.*

(iii) *Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.*

(iv) *Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.*

(v) Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.

(vi) A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.

(vii) If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.

(viii If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.

(ix) Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.

(x) Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.

(xi) *Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not headed to, will bring a bad name to them and the Institution.*

महत्त्वपूर्ण निर्देश :

(i) *अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।*

(ii) *शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।*

(iii) *परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।*

(iv) *वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।*

(v) *भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।*

(vi) *मुख्य-परीक्षकों/उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/Guidelines दी जा रही है, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।*

SET – A

[इतिहास]

[HISTORY]

1. 1834 ई० में प्रशा की पहल पर शुल्क संघ जॉल बेराईन। 1

2. (ब) 1887 ई० में फ्रेंच इण्डो-चाइना का गठन हुआ। 1

3. ब्रिटेन के व्यापार से जो अधिशेष हासिल होता था उससे तथाकथित 'होम चार्जेज' (देशी खर्च) का निबटारा होता था। 1

4. 1890 ई० तक। 1

5. 1857 के विद्रोह के बाद प्रेस की स्वतन्त्रता के प्रति रवैया बदल गया। क्रुद्ध अंग्रेजों ने 'देशी' प्रेस का मुँह बंद करने की माँग की ज्यों-ज्यों भाषाई समाचार पत्र राष्ट्रवाद से समर्थन में मुखर होते गए, त्यों-त्यों औपनिवेशिक सरकार में कड़े नियन्त्रण के प्रस्ताव पर बहस तेज होने लगी। आइरिश प्रेस के तर्ज पर 1878 में वर्नाक्युलर प्रेस ऐक्ट लागू कर दिया गया। इससे सरकार को भाषाई प्रेस में छपी रपट और संपादकीय को सेंसर करने का व्यापक हक मिल गया। 3

6. चीनी बौद्ध प्रचारक 768-770 ई० के आस-पास छपाई की तकनीक लेकर जापान आए। जापान को सबसे पुरानी, 868 ई० में छपी पुस्तक डायमंड सूत्र है, जिसमें पाठ के साथ-साथ काठ पर खुदे चित्रे तस्वीरें अक्सर कपड़ों, ताश के पत्तों और कागज के नोटों पर बनाई जाती थी। मध्यकालीन जापान में कवि भी छपते और गद्यकार भी, और किताबें सस्ती और सुलभ थी। 3

7. यह वह समय था जब समाज और धर्म सुधारकों तथा हिन्दू रुढ़िवादियों के बीच, विधवा-दाह, एकेश्वरवाद, ब्राह्मण पुजारी वर्ग और मूर्ति-पूजा जैसे मुद्दों को लेकर तेज बहस हुई थी। बंगाल में जैसे-जैसे बहस चली, लगातार बढ़ती तादाद में पुस्तिकाओं और अखबारों के जरिए तरह-तरह के तर्क समाज के बीच आने लगे। ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचने के ख़्याल से इन्हें आम बोलचाल की भाषा में छापा गया। राम मोहन राय ने 1821 से संवाद कौमुदी प्रकाशित किया, और रूढ़िवादियों ने उनके विचारों टक्कर लेने के लिए समाचार चंद्रिक का सहारा लिया। दो फारसी अखबार - जाम-ए-जहाँनामा और शम्सुल अखबार - भी में प्रकाशित किए।

उत्तर भारत में उलमा-मुस्लिम राजवंशों के पतन को लेकर चिंतित थे। उन्हें डर था कि कहीं औपनिवेशिक शासक धर्मांतरण को बढ़ावा न दें या मुस्लिम कानून न बदल डालें। इससे निपटने के लिए उन्होंने सस्ते लिथोग्राफी प्रेस का इस्तेमाल करते हुए धर्म ग्रन्थों के फारसी या उर्दू अनुवाद छापे और धार्मिक तथा गुटके निकाले। सन् 1867 में स्थापित देवबन्द से मिनारी ने मुसलमान पाठकों को रोजमर्रा का जीवन जीने का सलीका और इस्लामी सिद्धान्तों के मायने समझाते हुए हजारों फतवे जारी किए। पूरी 19वीं सदी के दौरान कई इस्लामी सम्प्रदाय और सेमिनरी पैदा हुए, धर्म को लेकर सबको अपनी-अपनी व्याख्याएँ थी। 6

अथवा

दुनियाँ की सबसे पहली भूमि रेल के पहले खण्ड का उद्घाटन 10 जनवरी, 1863 को किया गया। यह लन्दन की पैडिंग्टन और फैरिंग्टन के बीच स्थित थी। पहले ही दिन 10,000 यात्रियों ने इसमें यात्रा की। इस लाईन पर हर 10 मिनट में अगली गाड़ी आ रही थी। 1880 तक भूमिगत रेल नेटवर्क का विस्तार हो चुका था और इसमें सालाना चार करोड़ लोग यात्रा करने लगे। शुरू में भूमिगत यात्रा की कल्पना से लोग डर जाते थे।

मैं जिस डिब्बे में बैठा था वह पाईप पीते मुसाफिरों से भरा था। डिब्बे का माहौल सल्फर, कोयले की धूल और ऊपर लगे गैस के लैप से निकलती गंध से अटा था। हालत ये थी कि जब हम मूरगेट स्टेशन पहुँचे तब तक मैं श्वासावरोधन और गर्मी के कारण अधमरा हो चुका था। मेरा मानना है कि इन भूमिगत रेलगाड़ियों को फौरन बन्द कर दिया जाना चाहिए। ये स्वास्थ्य के लिए भयानक खतरा है। लोगों का मानना था कि इन ''लौह दैत्य'' ने शहर में अफरा-तफरी और अस्वास्थ्यकर माहौल को और बढ़ा दिया। इसने शहर की आबादी और बिखरने लगी। सुनियोजित उपनगरीय इलाकों और अच्छे रेल नेटवर्क की बदौलत बहुत सारे लोगों के लिए मध्य लन्दन से बाहर रहते हुए रोज काम पर आना आसान हो गया। इन नयी सुविधाओं ने सामाजिक ऊँच-नीच को कमजोर किया तो नए किस्म के विभेद भी पैदाकर दिये।

8. (i) चम्पारन 1

(ii) बम्बई 1

(iii) कलकत्ता 1

(iv) लाहौर 1

[केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए]

[For Blind Candidates Only]

(i) चम्पारन 1

(ii) बम्बई 1

(iii) कलकत्ता 1

(iv) लाहौर 1

[राजनीति विज्ञान]

[POLITICAL SCIENCE]

9. (ब) 1956 में तमिल को दरकिनार करके सिंहली को एक मात्र राजभाषा घोषित किया गया। 1

10. (अ) 40.2% 1

11. 'फेडेकोर' बोलिबिया देश का संगठन है। 1

12. योर्दान्का बुल्गारिया में नर्स थी। 1

13. ऐसा सामाजिक जिसमें हर समूह अपनी-अपनी संस्कृति को अलग मानता है यानी यह सांझी संस्कृति पर आधारित सामाजिक विभाजन है। किसी जातीय समूह के सभी सदस्य मानते हैं कि उनकी उत्पत्ति समान पूर्वजों से हुई और इसी कारण उनकी शारीरिक बनावट और संस्कृति एक जैसी है। जरूरी नहीं कि ऐसे समूह के सदस्य किसी एक धर्म के मानने वाले हों या उनकी राष्ट्रीयता एक हो। 2

14. नेपाल में उठे लोकतन्त्र के आन्दोलन का विशिष्ट उद्देश्य था राजा को अपने आदेशों को वापस लेने के लिए बाध्य करना। इन आदेशों के द्वारा राजा ने लोकतन्त्र को समाप्त कर दिया था। भारत में नर्मदा बचाओ आन्दोलन ऐसे आन्दोलन का अच्छा उदाहरण है। 2

15. चुनाव का खर्च सरकार उठाए, सरकार दलों को चुनाव लड़ने के लिए धन दें। यह मदद पेट्रोल, कागज, फोन वगैरह के रूप में भी हो सकती है। या फिर पिछले चुनाव में मिले मतों के अनुपात में नकद पैसा दिया जा सकता है। 2

16. पानी के निजीकरण के खिलाफ बोलिविया में जन आन्दोलन चला उसकी अगुवाई किसी राजनीतिक दल ने नहीं की। इस आन्दोलन का नेतृत्व 'फेडेकोर' [FEDECOR] नामक संगठन ने किया। इस संगठन में इंजीनियर और पर्यावरणवादी समेत स्थानीय कामगाजी लोग शामिल थे। इस संगठन को सिंचाई पर निर्भर किसानों के एक संघ, कारखाना-मजदूरों के संगठन के परिसंघ, को चंबबा विश्वविद्यालयों के छात्रों तथा शहर में बढ़ती बेघर-बार बच्चों की आबादी का समर्थन मिला। इस आन्दोलन को सोशलिस्ट पार्टी ने भी समर्थन दिया। 3

17. सात राष्ट्रीय पार्टियों के अलावा अन्य सभी प्रमुख दलों को चुनाव आयोग ने 'प्रान्तीय दल' के रूप में मान्यता दी है। आमतौर पर इन्हें क्षेत्रीय दल कहा जाता है पर यह जरूरी नहीं कि अपनी विचारधारा या नजरिए में ये पार्टियाँ क्षेत्रीय ही हों। इनमें से कुछ अखिल भारतीय दल हैं पर उन्हें कुछ प्रान्तों में ही सफलता मिल पाई है। समाजवादी पार्टी, समता पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल का राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक संगठन है। इनकी कई राज्यों में इकाईयाँ हैं। बीजू जनता दल, सिक्किम लोकतान्त्रिक मोर्चा, मिजो नेशनल फ्रंट जैसी पार्टियाँ अपनी क्षेत्रीय पहचान को लेकर सचेत हैं। 3

18. दुनिया के अधिकांश समाज पुरुष-प्रधान समाज रहे हैं। महिलाओं के लम्बे संघर्ष के बाद अब जाकर यह माना जाने लगा है कि महिलाओं के साथ गरिमा और समानता का व्यवहार लोकतन्त्र की शर्त है और आज अगर कहीं यह हालत है तो उसका यह मतलब नहीं कि औरतों के साथ सदा से सम्मान का व्यवहार हुआ है। बहरहाल, एक बार जब सिद्धान्त रूप में इस बात को स्वीकार कर लिया गया है तो अब औरतों के लिए वैधानिक और नैतिक रूप से अपने प्रति गलत मान्यताओं और व्यवहारों के खिलाफ संघर्ष करना आसान हो गया है। अलोकतान्त्रिक व्यवस्था में यह बात संभव न थी क्योंकि व्यक्तिगत आजादी और गरिमा न तो वैधानिक रूप से मान्य है, न नैतिक रूप से। 3

19. (i) यहाँ सरकारें दो या अधिक स्तरों वाली होती है।

(ii) अलग-अलग स्तर की सरकारें एक ही नागरिक समूह पर शासन करती हैं।

(iii) विभिन्न स्तरों की सरकारों के अधिकार क्षेत्र संविधान में स्पष्ट रूप से वर्णित होते हैं। इसलिए संविधान सरकार के हर क्षेत्र के अस्तित्व और प्राधिकार की गारंटी और सुरक्षा देता है।

(iv) संविधान के मौलिक प्रावधानों को किसी एक स्तर की सरकार अकेले नहीं बदल सकती है।

(v) अदालतों को संविधान और विभिन्न स्तर की सरकारों के अधिकारों की व्याख्या करने का अधिकार है।

(vi) वित्तीय स्वायत्ता निश्चित करने के लिए विभिन्न स्तर की सरकारों के लिए राजस्व के अलग-अलग स्रोत निर्धारित हैं।

(vii) संघीय शासन व्यवस्था के दोहरे उद्देश्य है, देश की सुरक्षा करना और उसे बढ़ावा देना तथा इसके साथ ही क्षेत्रीय विविधताओं को पूरा सम्मान करना। 6

अथवा

(i) दल चुनाव लड़ते हैं।

(ii) दल अलग-अलग नीतियों और कार्यक्रमों को मतदाताओं के सामने रखते हैं।

(iii) पार्टियाँ देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाती हैं, कानूनों पर औपचारिक बहस होती है।

(iv) नीतियों और बड़े फैसलों के मामले में निर्णय राजनेता ही लेते हैं और ये नेता विभिन्न दलों के होते हैं।

(v) चुनाव हारने वाले दल शासक दल के विरोधी दल की भूमिका निभाते हैं। विपक्षी दल सरकार के खिलाफ आम जनता को गोलबन्द करते हैं।

(vi) जनमत निर्माण के दल महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(vii) दल ही सरकारी मशीनरी और सरकार द्वारा चलाए जाने वाले कल्याण कार्यक्रमों तक लोगों को पहुँचाते हैं।

[भूगोल]

[GEOGRAPHY]

20. (अ) असम 1

21. (स) चना 1

22. खनिज एक प्राकृतिक रूप से विद्यमान समरूप तत्त्व है जिसकी एक निश्चित आंतरिक संरचना है और अनेक रूपों में पाये जाते हैं। 1

Mineral is homogenous naturally occurring substances with a definable internal structure and are found in varied form in nature.

23. धरातल पर बहने वाले जल का वह भाग जो रिस-रिस कर भूमि के अन्दर चला जाता है वह भौमजल या भूमिगत जल कहलाता है। 1

The part of flowing water which recharge the ground water table is known as underground water.

24. सभी उद्योग जिन्हें कच्चा माल कृषि से मिलता है उन्हें कृषि पर आधारित उद्योग कहते हैं जैसे वस्त्र, चीनी, वनस्पति तेल, जूट इत्यादि। 2

Industries based on agriculture raw materials are know as agro based industries as Cotton, Jute, Sugar, Edible Oil etc.

25. वे संसाधन जो किसी प्रदेश में विद्यमान होते हैं परन्तु उपयोग नहीं किये गये हैं सम्भाव्य संसाधन कहलाते हैं जैसे गुजरात व राजस्थान की पवन व सौर ऊर्जा जिसका पूर्ण उपयोग न हो सका। 2

Resources which are found in a region but have not utilized is known as potential resources as solar and wind energy of Rajasthan and Gujarat could not utilized as per its scope of availability.

26. नदियों पर बाँध बनाकर एक साथ कई उद्देश्यों की पूर्ति की जाती है। इस प्रकार की परियोजनाओं को बहुउद्देशीय परियोजना कहते हैं।

लाभ – जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण, मछली पालन, कृषि के लिए सिंचाई, नौकायन इत्यादि। 3

construction of dam on river to fullfil different aims with the one act is known as multi purpose project.

Advantages : Supply of water, flood control, rearing of fish, water for agriculture, generating electricity, entertainment etc.

27. वे सभी संसाधन जिनके माध्यम से सूचना लोगों तक पहुँचाई जाती है उन्हें संचार साधन कहते हैं ये साधन मुख्यतः ***चार*** प्रकार के होते हैं :

(i) रेडियो

(ii) टेलीविजन

(iii) इन्टरनेट

(iv) समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ

आज के आधुनिक युग में संचार के साधनों का बहुत महत्त्व है चाहे वह कृषि क्षेत्र हो या उद्योग, व्यापार या शिक्षा एवं संस्कृति। सभी क्षेत्रों पर संचार का बहुत अधिक प्रभाव है तथा व्यापारिक दृष्टिकोण से संचार के बिना देश का व्यापार व आर्थिक प्रगति

सम्भव नहीं है। संचार के माध्यम से हम दूसरे देशों के नजदीक जाते हैं, कृषि के नये उपकरणों की जानकारी प्राप्त होती है। नये उत्पादनों का पता चलता है, नई तकनीकी की जानकारी मिलती है, शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति होती है। फलस्वरूप देश का आर्थिक विकास होता है। 6

All the means by which the information can be disaminalies among the people is known as the means of communication. These means can be divided in to ***four*** majors these are :

(i) Radio,

(ii) Television

(iii) Internet

(iv) Newspaper and periodicals

In the modern world these means of communication plays a vital role in the economic development of a Country either it is the sector of Agriculture or industries, trade, education, social interaction or else. These means are very

effective we meet only came together to know all about good techniques, new goods, development in education, new invention and exploration but also get the round economic development in the Country and resulting of it a round economic development.

28. (i) केरल 1

(ii) कर्नाटक 1

(iii) असम 1

[केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए]

[For Blind Candidates Only]

(i) केरल 1

(ii) कर्नाटक 1

(iii) असम 1

[अर्थशास्त्र]

[Economics]

29. (a) Primary 1

30. (a) its per capita income 1

31. Reserve Bank of India (RBI) 1

32. World Trade Organisation 1

33. To provide 100 days of employment in a year by the government to all of those who are able to, and are in need of work in rural areas. 2

34. (i) it helps in pooling savings of members especially who are poor women

(ii) it helps borrowers to overcome the problem of lack of collateral

(iii) it helps members to get timely loans for a variety of purpose

(iv) it helps members to get loan at very reasonable rate of interest

(v) it also provide a platform to discuss social issues of their concern 3

(Any ***three*** of the above or similar)

35. Rights of consumers are : 6

(i) Right to choice

(ii) Right to information

(iii) Right to redressal

(iv) Right to representation

(v) Right to safety

(vi) Right to consumer education

(Brief explanation, atleast ***two*** sentence on each)

OR

Development does not only mean securing a better present, but it also means securing a better future for the generations to come. Sustainability for development or sustainable development refers to the development which is done without damaging the environment and other resources. In other words, balancing the need to use resources and also conserve them for future is known as sustainable development. The issue of sustainability is important for the development because development must happen

in tandem with future. If natural resources are not sustained, it will cause a stagnation of development after a point of time. Exploiting resources unethically will ultimately undo the development that a country may have to achieved. This is because in future, those resources will not be available for further progress.

Hence, sustainability is an important aspect of development.

SET – B

[इतिहास]

[HISTORY]

1. पत्रकार ऐड्रियास रेबमान ने 1798 में डिजाइन किया। 1

2. (अ) फान बोई चाऊ। 1

3. मालाबार के उप-न्यायाधीश, ओ० चन्दू मेनन। 1

4. यह आन्दोलन 1934 में शुरू हुआ। 1

5. संयुक्त प्रान्त के लोग बम्बई के कपड़ा मिलों और कलकत्ता के जूट मिलों में काम करने के लिए पहुँच रहे थे। नौकरी पाना हमेशा

मुश्किल था। हालांकि मिलों की संख्या बढ़ती जा रही थी और मजदूरों की माँग बढ़ रही थी लेकिन रोजगार चाहने वालों की संख्या रोजगारों के मुकाबले हमेशा ज्यादा रहती थी। मिलों में प्रवेश भी निषिद्ध था। उद्योगपति नए मजदूरों की भर्ती के लिए प्रायः एक जाबर रखते थे। जाबर कोई पुराना और विश्वस्त कर्मचारी होता था। वह अपने गाँव से लोगों को लाता था, उन्हें काम का भरोसा देता था, उन्हें शहर में जमने के लिए मदद देता था और मुसीबत में पैसे से मदद करता था। 3

6. फ्रांस में बिब्लियोथीक ब्लीयू का चलन था, जो सस्ते कागज़ पर छापों और नीली जिल्द में बंधी छोटी किताबें हुआ करती थी। इसके अलावा चार-पाँच पन्ने की प्रेम-कहानियाँ थी, और अतीत की थोड़ी गाथाएँ थीं, जिन्हें इतिहास कहते थे। छोटी किताबों की अलग-अलग उद्देश्य और दिलचस्पी के हिसाब से किताबों के आकार-प्रकार थे। 3

7. क्या शहर हमेशा ऐसे ही थे ? यद्यपि शहरीकरण की प्रक्रिया बहुत लम्बी रही है लेकिन आधुनिक शहर के उदय का इतिहास 200 साल से ज्यादा पुराना नहीं है। औद्योगिक पूँजीवाद का उदय, दुनियाँ के बहुत बड़े भाग पर औपनिवेशिक शासन की स्थापना और

लोकतान्त्रिक आदर्शों का विकास, इन तीन ऐतिहासिक प्रक्रियाओं ने आधुनिक शहरों की शक्ल-सूरत तय करने में निर्णायक भूमिका निभाई है।

उर, निप्पुर और मोहनजोदड़ो जैसे शुरुआती कस्बे, शहर नदी घाटियों के आस-पास विकसित हुए और वे अपने समय की इनसानी बस्तियों या आबादियों से बड़े थे। प्राचीन शहर केवल तभी बस सकते थे जब बहुत सारे ऐसे लोगों के लिए भी भोजन का प्रबन्ध किया जा सके जो खाद्य उत्पादन के अलावा अन्य काम करते हैं। राजनीतिक सत्ता, प्रशासकीय नेटवर्क, व्यापार और उद्योग, धार्मिक संस्थानों और बौद्धिक गतिविधियों के केन्द्र आमतौर पर शहर ही होते थे। 6

अथवा

भाषा ने भी राष्ट्रीय भावनाओं के विकास में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। रूसी कब्जे के बाद पोलिश भाषा को स्कूलों से बलपूर्वक हटाकर रूसी भाषा को हर जगह जबरन लादा गया। 1831 में रूस के विरूद्ध एक सशस्त्र विद्रोह हुआ जिसे आखिरकार कुचल दिया गया। इसके अनेक सदस्यों ने राष्ट्रवादी विरोध के लिए भाषा को हथियार बनाया। चर्च के आयोजनों और सम्पूर्ण धार्मिक शिक्षा

में पोलिश का इस्तेमाल हुआ। इसका नतीजा यह हुआ कि बड़ी संख्या में पादरियों और विशपों को जेल में डाल दिया गया। रूसी अधिकारियों ने उन्हें सजा देते हुए साइबेरिया भेज दिया क्योंकि उन्होंने रूसी भाषा का प्रचार करने से इन्कार कर दिया था। पोलिश भाषा रूसी प्रभुत्व के विरूद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी।

8. (i) अमृतसर 1

(ii) रायबरेली 1

(iii) गोरखपुर स्थित चौरी-चौरा 1

(iv) सितम्बर, 1932 में पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर हुए 1

[केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए]

[For Blind Candidates Only]

(i) अमृतसर 1

(ii) रायबरेली 1

(iii) गोरखपुर स्थित चौरी-चौरा 1

(iv) सितम्बर, 1932 में पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर हुए 1

[राजनीति विज्ञान]

[POLITICAL SCIENCE]

9. (अ) बेल्जियम की। 1

10. (स) 53% 1

11. बर्लस्कोनी इटली के प्रधानमन्त्री थे। 1

12. सन् 1987 में कित्तिको-हक्चिको नाम का आंदोलन शुरू हुआ। 1

13. (i) संविधान में इस बात का स्पष्ट प्रावधान है कि केन्द्रीय सरकार में डच और फ्रेंच भाषी मन्त्रियों की संख्या समान रहेगी।

(ii) केन्द्र सरकार की अनेक शक्तियों को दो इलाकों की क्षेत्रीय सरकारों को सुपुर्द कर दी गई।

(iii) ब्रुसेल्स में अलग सरकार है और इसमें दोनों समुदायों का समान प्रतिनिधित्व है।

(iv) केन्द्रीय और राज्य सरकारों के अलावा यहाँ तीसरे स्तर की सरकार भी काम करती हैं यानि सामुदायिक सरकार। 2

14. 24 अप्रैल, 2004 अल्टीमेटम का अन्तिम दिन था। इस दिन राजा तीनों माँगों को मानने के लिए बाध्य हुआ। एस०पी०ए० ने गिरिजा प्रसाद कोइराला को अंतरिम सरकार का प्रधानमन्त्री चुना। संसद फिर बहाल हुई और इसने अपनी बैठक में कानून पारित किए। इन कानूनों के सहारे राजा की अधिकांश शक्तियाँ वापस ले ली गई। नयी सुविधा - सभा के निर्वाचन के तौर-तरीकों पर एस०पी०ए० और माओवादियों के बीच सहमति बनी। 2

15. (i) राजनीतिक दल एक विचारधारा पर आधारित लोगों का समूह होता है जबकि दबाव-समूह एक समान हितों वाले लोगों का समूह होता है।

(ii) राजनीतिक दलों का उद्देश्य सत्ता प्राप्ति होता है, जबकि दबाव-समूह का उद्देश्य अपने हितों की पूर्ति करना होता है।

(iii) राजनीतिक दल साधारणतया जनता के प्रति उत्तरदायी होते हैं जबकि दबाव-समूह अपने समूह के प्रति उत्तरदायी होते हैं। 2

16. नेपाल के जन संघर्ष में राजनीतिक दलों के अलावा अनेक संगठन शामिल थे। सभी बड़े संगठन और उनके परिसंघों ने इस आन्दोलन में भाग लिया। अन्य अनेक संगठनों मसलन मूलवासी लोगों के संगठन तथा शिक्षक, वकील और मानवाधिकार कार्यकर्त्ताओं के समूह ने इस आन्दोलन को अपना समर्थन दिया। 3

17. (i) अगर दल न हो तो सारे उम्मीदवार स्वतन्त्र या निर्दलीय होंगे तो कोई भी चुनौती वायदे करने की स्थिति में नहीं होगा।

(ii) सरकार बन जाएगी पर उपयोगिता संदिग्ध होगी।

(iii) देश कैसे चले इसके लिए कोई उत्तरदायी नहीं होगा।

(iv) दलों की इसलिए जरूरत है ताकि एक जिम्मेदार सरकार का गठन हो सके। उन्हें सरकार का समर्थन करने या उस पर अंकुश रखने, नीतियाँ बनवाने और नीतियों का समर्थन अथवा विरोध करने के लिए उपकरणों की जरूरत होती है। 3

18. लोकतान्त्रिक व्यवस्था से यह उम्मीद करना उचित है कि यह सदभाव पूर्ण सामाजिक जीवन उपलब्ध कराएगी। लोकतान्त्रिक व्यवस्थाएँ अनेक तरह के सामाजिक विभाजनों को संभालती है। किस तरह बेल्जियम ने अपने यहाँ के विभिन्न जातीय समूहों की आकांक्षाओं के बीच सफलतापूर्वक सामंजस्य स्थापित किया। लोकतान्त्रिक व्यवस्थाएँ आमतौर पर अपने अन्दर की प्रतिद्वंद्विताओं को संभालने की प्रक्रिया विकसित कर लेती है। इससे इन टकरावों के विस्फोट या हिंसक लेने का आदेश कम हो जाता है। 3

19. सन् 1948 में श्रीलंका स्वतन्त्र राष्ट्र बना। सिंहली समुदाय के नेताओं ने अपनी बहुसंख्या के बल पर शासन पर प्रभुत्व जमाना चाहा। इस वजह से लोकतान्त्रिक रूप से निर्वाचित सरकार ने सिंहली समुदाय की प्रभुता कायम करने के लिए अपनी बहुसंख्यक-परस्ती के तहत कई कदम उठाए।

(i) 1956 में एक कानून बनाया गया जिसके तहत तमिल को दरकिनार करके सिंहली को एकमात्र राजभाषा घोषित कर दिया।

(ii) नए संविधान में यह प्रावधान भी किया गया कि सरकार बौद्धमत को संरक्षण और बढ़ावा देगी।

(iii) सरकारी फैसलों ने श्रीलंकाई तमिलों की नाराजगी और शासन को लेकर उनमें बेगानापन बढ़ाया।

(iv) नौकरियों में उनके साथ भेद-भाव और उनके हितों की अनदेखी की जा रही है।

इससे तमिल और सिंहली समुदायों के सम्बन्ध बिगड़ते चले गए। 6

अथवा

अगर लोकतांत्रिक शासन में अच्छी सरकार की उम्मीद की जा सकती है तो उसमें विकास की उम्मीद करना क्या उचित नहीं है।

अगर हम 1950 से 2000 के बीच सभी लोकतान्त्रिक और तानाशाहियों के कामकाज की तुलना करें तो पाएँगे कि आर्थिक संवृद्धि के मामले में तानाशाहियों का रिकार्ड थोड़ा बेहतर है।

उच्चतर आर्थिक संवृद्धि हासिल करने में लोकतान्त्रिक शासन की अक्षमता हमारे लिए चिंता का कारण है, पर अकेले इसी कारण से लोकतन्त्र को खारिज नहीं किया जा सकता। अर्थशास्त्र में पढ़ा है – आर्थिक विकास कई कारकों मसलन देश की जनसंख्या के आकार, वैश्विक स्थिति अन्य देशों से सहयोग और देश द्वारा तय की गई आर्थिक प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है। तानाशाही वाले कम विकसित देशों और लोकतान्त्रिक व्यवस्था वाले कम विकसित देशों के बीच का अन्तर नगण्य सा है। पर हम उम्मीद कर सकते हैं कि इस मामले में लोकतान्त्रिक व्यवस्था तानाशाही से नहीं पिछड़े। तानाशाही और लोकतान्त्रिक शासन वाले देशों के आर्थिक विकास दर में अन्तर भले ज्यादा हो लेकिन इसके बावजूद लोकतान्त्रिक व्यवस्था का चुनाव ही बेहतर है क्योंकि इसके अनेक सकारात्मक फायदे हैं।

[भूगोल]

[GEOGRAPHY]

20. (अ) पुनः पूर्तियोग्य 1

Replenishable

21. (ब) महानदी 1

Mahanadi

22. वे सभी संसाधन जो हमें प्रकृति से प्राप्त होते हैं जैसे भूमि, जल, वायु, सौर एवं पेड़ इत्यादि। 1

All the resources which are the gift of nature are natural resources like land, water, air, plants, mineral sunlight etc.

23. (i) उद्योगों के लिए कच्चा माल प्राप्त होता है

Raw materials for industries

(ii) वन्य जीवों को आश्रय

Shelter for wild animals

(iii) वर्षा लाने में सहायक

Helpful in rain

(iv) विभिन्न औषधि का अच्छा स्रोत

Good source of different medicine 1

24. जूट की फसल को 'सुनहरी रेशा' कहा जाता है। इसका प्रयोग बोरियाँ, चटाईयाँ, रस्सियाँ, सुतली, दरियाँ एवं गलीचे व अन्य शो-पीस। 2

Jute is known as the 'Golden fibre'. It is used in making gunny begs, mats, ropes, yarn and carpets and other artefacts.

25. खनिज एक प्राकृतिक रूप से विद्यमान समरूप तत्व है जिसकी एक निश्चित आंतरिक संरचना है तथा अनेक रूपों में पाए जाते हैं। 2

Minerals is a homogenus naturally occurring substance with a definable internal structure and found in varied forms in nature.

26. उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है जिसने देश की अर्थव्यवस्था की वृद्धि एवं विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है। परन्तु इसके द्वारा उत्सर्जित कचरे ने वायु, ध्वनि, जल, ताप के माध्यम से पर्यावरण को दूषित किया है। 3

Industries are the backbone of Indian Economy. It Contribute a significantly to India's economic growth and development. The pollution is increasing due to the waste of there industries in form of air, water, dust, garbage, temperature etc.

27. देश की कृषि व्यवस्था को विश्व की कृषि व्यवस्था से जोड़ना ही कृषि का वैश्वीकरण कहलाता है। इसमें बाजार की माँग के अनुसार ही उत्पादन करना तथा विश्व पटल पर बाजार में उत्पादन बेचकर आर्थिक विकास करना है। इसके लाभ निम्न हैं : 6

– उत्पादकता बढ़ाना

– HYV बीज की उपलब्धता एवं विकास

– नये औजार एवं तकनीक का ज्ञान

– आर्थिक विकास

To inteigrate the our agriculture system to the agricultural system of the world. In this process we not only increase the production but also meet with the market demand accordingly. The major impacts of globalization of Agriculture are as follows :

– To increase the agriculture production

– Development and make availability of HYV seeds

– To know about innovative tools and techniques

– Economic development

28. (i) उत्तराखण्ड 1

Uttrakhand

(ii) उड़ीसा 1

Orissa

(iii) छत्तीसगढ़ 1

Chattisgarh

[केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए]

[For Blind Candidates Only]

(i) उत्तराखण्ड 1

Uttrakhand

(ii) उड़ीसा 1

Orissa

(iii) छत्तीसगढ़ 1

Chattisgarh

[अर्थशास्त्र]

[Economics]

29. (c) ownership of enterprises 1

30. (b) Cooperative Societies 1

31. Tata Motors, lnfosys, Ranbaxy, Asian Paints Sundaram Fasteners etc.. 1

32. Consumer Protection Act, 1986. 1

33. Foreign trade refers to connecting the markets or integration of markets in different countries and foreign investment refers to investment made by MNCs in a country. 2

34. Rights of consumers are : 3

(i) Right to choice

(ii) Right to information

(iii) Right to redressal

(iv) Right to representation

(v) Right to safety

(vi) Right to consumer education

(Any ***three*** with brief explanation in two sentence on each)

35. Few examples are : 6

(i) Air pollution due to emission of smoke from vehicles and factories.

(ii) Water pollution due to shops and small factories in residential areas.

(iii) Noise pollution due to unnecessarily blowing of horns on the roads by different vehicles and use of loudspeakers.

(iv) Deforestation

(v) Soil erosion

(vi) Falling level of ground water

OR

Primary Sector	Secondary Sector	Tertiary Sector
1. It includes those activities which lead to the production of good by exploitation of natural resources.	1. It includes those activities which result in trans-formation of natural products into other forms by manufacturing	1. It includes those activities that in the development of the primary & secondary sectors by supporting the production process.

2. It produces natural products like cotton, milk, fruits, wheat, fish, subber etc.	2. It produces manufactured goods like cloth, sugar, bricks etc.	2. It does not produce goods but generates services like transportation, communication basting etc.
3. It also called agriculture and related sector because most of the natural products obtained are from agriculture, diary, fishing, forestry etc.	3. It is also called the industrial sector as this sector has come to be associated with different kinds of industries.	3. It is also called the service sector as this sector generates services rather than goods.
4. Examples- agriculture, fishing, mining, animal husbandry etc.	4. Examples- manufacturing and construction.	4. Examples- banking, insurance, finance etc.

SET – C

[इतिहास]

[HISTORY]

1. शुल्क संघ जाल वे राईन। 1

2. (ब) 1845 से 1849 ई० में। 1

3. चार्ल्स डिकेन्स ने। 1

4. औपचारिक, साहित्यिक शैली के बजाय सामान्य बोलचाल की भाषा। 1

5. गुजरात के तट पर स्थित सूरत बन्दरगाह के जरिए भारत खाड़ी और लाल सागर के बन्दरगाहों से जुड़ा हुआ था। निर्यात व्यापार के इस नेटवर्क में बहुत सारे भारतीय व्यापारी और बैंकर सक्रिय थे। 1750 के दशक तक भारतीय सौदागरों के नियन्त्रण वाला यह नेटवर्क टूटने लगा था। यूरोपीय कम्पनियों की ताकत बढ़ती जा रही थी। उन्होंने स्थानीय दरबारियों कई तरह की रियायतें हासिल की उन्होंने व्यापार पर इजारेदारी अधिकार प्राप्त कर लिए इससे सूरत व हुगली दोनों पुराने बन्दरगाह कमजोर पड़ गए। 3

6. बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय अपने घर में जात्रा, (बंगाल का लोक नाटक) का आयोजन करते थे। जिसमें पूरा परिवार शरीक होता था। लेकिन उनके अपने कमरे में साहित्यिक मित्र इकट्ठा होकर साहित्यिक कृतियों को पढ़कर उनका मूल्यांकन करते थे। उन पर बहस-मुबाहिसा करते थे। बंकिम ने अपने पहले उपन्यास, दुर्गेश नंदिनी (1865) का ऐसे ही समूह में पाठ किया सभी ने दांतों तले उंगली दबा ली कि बंगाली गद्य ने कितनी जल्दी ऐसी उत्कृष्टता हासिल कर ली थी।

इसकी गद्य-शैली अपने आप में आनंद का स्रोत बन गई। बंकिम की भाषा संस्कृत निष्ठ थी पर उसमें बोलियों का भी पुट था। बीसवीं सदी तक आते-आते सरल कहानी कहने की उनकी काबिलियत ने शरद चन्द्र चट्टोपाध्याय (1876-1938) को बंगाल या शायद पूरे भारत का सबसे लोकप्रिय उपन्यासकार बना दिया। 3

7. मुद्रण की सबसे पहली तकनीक चीन, जापान और कोरिया में विकसित हुई। यह छपाई हाथ से होती थी। तकरीबन 594 ई० से चीन में स्याही लगे काठ या ब्लॉक या तख्ती पर कागज को रगड़ कर किताबें छापी जाने लगी। चूंकि पतले, छिद्रित कागज के दोनों तरफ छपाई संभव नहीं थी, इसलिए पारम्परिक चीनी किताब 'एकार्डियन' शैली में किनारों को मोड़ने के बाद सिल कर बनाई जाती थी। किताबों का सुलेखपन या खुशनवीसी करने वाले लोग दक्ष सुलेखक या खुशरबत होते थे, जो हाथ से बड़े सुन्दर-सुडौल अक्षरों में सही-सही कलात्मक लिखाई करते थे। एक लम्बे अरसे

तक मुद्रित सामग्री का सबसे बड़ा उत्पादक चीनी राजतन्त्र था। 17वीं सदी तक आते-आते चीन में शहरी संस्कृति के फलने-फूलने से छपाई के इस्तेमाल में विविधता आई। 6

अथवा

फ्रांसीसी क्रान्ति के दौरान कलाकारों ने स्वतन्त्रता, न्याय और गणतन्त्र जैसे विचारों को व्यक्त करने के नारी रूपक का प्रयोग किया। इन आदर्शों को विशेष वस्तुओं या प्रतीकों से व्यक्त किया गया था। स्वतन्त्रता का प्रतीक लाल टोपी या टूटी जंजीर है और इंसाफ को आमतौर पर एक ऐसी महिला के प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है जिसकी आंखों पर पट्टी बन्धी हुई है। और तराजू लिए हुए है।

इसी प्रकार के नारी रूपकों का आविष्कार कलाकारों ने 19वीं सदी में किया। फ्रांस में उसे लोकप्रिय इसाई नाम मारीआन दिया गया जिसने जनराष्ट्र के विचार को रेखांकित किया। उसके चिन्ह भी स्वतन्त्रता और गणतन्त्र के थे - लाल टोपी, तिरंगा और कलणी, मारीआन की प्रतिमाएँ सार्वजनिक चौकों पर लगाई गई ताकि जनता को एकता के राष्ट्रीय प्रतीक की याद आती रहे। मारीआन की छवि सिक्कों और डाक टिकटों पर अंकित की गई। इसी तरह जर्मेनिया, जर्मन राष्ट्र का रूपक बन गई। अभिव्यक्तियों में जर्मेनिया बलूत वृक्ष के पत्तों का मुकुट पहनती है। क्योंकि जर्मन बलूत वीरता का प्रतीक है।

8. (i) मुम्बई 1

(ii) कानपुर में 1

(iii) अहमदाबाद 1

(iv) अवध के गांव का 1

[केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए]

[For Blind Candidates Only]

(i) मुम्बई 1

(ii) कानपुर में 1

(iii) अहमदाबाद 1

(iv) अवध के गाँव का 1

[राजनीति विज्ञान]

[POLITICAL SCIENCE]

9. (अ) राजस्थान (पोखरण) 1

10. (अ) 80.5% 1

11. 2006 ई० 1

12. भोजपुरी, मगही, बुन्देलखंडी, छत्तीसगढ़ी, राजस्थानी, भीली। 1

13. (i) शासन के विभिन्न अंग, जैसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता का बंटवारा।

(ii) सरकार के बीच भी विभिन्न स्तरों पर सत्ता का बंटवारा।

(iii) सत्ता का बंटवारा विभिन्न सामाजिक समूहों, मसलन भाषायी और धार्मिक समूहों के बीच भी हो सकता है।

(iv) सत्ता के बंटवारे का एक रूप हम विभिन्न प्रकार के दबाव-समूह और आन्दोलनों द्वारा शासन को प्रभावित और नियंत्रित करने के तरीके में भी लक्ष्य कर सकते हैं। 2

14. बोलिविया में लोगों ने पानी के निजीकरण के खिलाफ एक सफल संघर्ष चलाया इससे पता चलता है कि लोकतन्त्र की जीवंतता से जन-संघर्ष का अन्दरूनी रिस्ता है। विश्व बैंक ने यहाँ सरकार पर नगरपालिका द्वारा की जा रही जलापूर्ति से अपना नियन्त्रण छोड़ने के लिए दबाव डाला। सरकार ने कोंचबंबा शहर में जलापूर्ति के अधिकार एक बहुराष्ट्रीय कम्पनी को बेच दिए इस कम्पनी ने आनन-फानन में पानी की कीमत में चार गुणा इजाफा कर दिया मासिक बिल 1,000 तक पहुँच गया। इसके फलस्वरूप स्वत-स्फूर्त जनसंघर्ष भड़क उठा। 2

15. भारत की विधायिका में महिला प्रतिनिधियों का अनुपात बहुत ही कम है। जैसे - लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या कभी कुल सदस्यों की दस फीसदी तक भी नहीं पहुँची है। राज्यों की विधान

सभाओं में उनका प्रतिनिधित्व 5% से भी कम है। इस मामले में भारत का नंबर दुनियाँ के देशों में काफी नीचे है। भारत इस मामले में अफ्रीका और लातिन अमेरीका के कई विकासशील देशों से पीछे है। 2

16. बतौर संगठन दबाव-समूह सरकार की नीतियों को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। लेकिन, राजनीतिक पार्टियों के समान दबाव-समूह का लक्ष्य सत्ता पर प्रत्यक्ष नियन्त्रण करने अथवा उसमें हिस्सेदारी करने का नहीं होता, दबाव-समूह का निर्माण तब होता है जब समान पेशे, हित, आकांक्षा अथवा मत के लोग एक समान उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए एकजुट होते हैं। 3

17. (i) लोकतन्त्र का बुनियादी आधार बनाने की चुनौती।

(ii) लोकतन्त्र का विस्तार करने की चुनौती।

(iii) लोकतन्त्र को मजबूत बनाने की चुनौती। 3

(नोट : उपर्युक्त बिन्दुओं को स्पष्ट करने पर पूर्ण अंक दें)

18. (i) कानून बनाकर राजनीति को सुधारने की बात सोचना बहुत लुभावना लग सकता है। सुधारों के मामले में कानून की एक महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

(ii) कानूनी बदलाव करते हुए इस बात पर गम्भीरता से विचार करना होगा कि राजनीति पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा।

(iii) लोकतान्त्रिक सुधार तो मुख्यतः राजनीतिक दल ही करते हैं, इसलिए राजनीतिक सुधारों का जोर मुख्यतः लोकतान्त्रिक काम-काज को ज्यादा मजबूत बनाने पर होना चाहिए।

(iv) राजनीतिक सुधार के किसी भी प्रस्ताव में अच्छे समाधान की चिंता होने के साथ-साथ यह सोच भी होनी चाहिए कि इन्हें कौन और क्यों लागू करेगा। 3

19. (i) संविधान में इस बात का स्पष्ट प्रावधान है कि केन्द्रीय सरकार में डच और फ्रेंच-भाषी मन्त्रियों की संख्या समान रहेगी।

(ii) केन्द्र सरकार की अनेक शक्तियाँ देश के दो इलाकों की क्षेत्रीय सरकारों को सुपुर्द कर दी गई हैं। यानि राज्य सरकारें केन्द्र के अधीन नहीं हैं।

(iii) ब्रूसेल्स में अलग सरकार है और इसमें दोनों समुदायों का समान प्रतिनिधत्व है।

(iv) केन्द्रीय और राज्य सरकारों के अलावा यहाँ एक तीसरे स्तर की सरकार भी काम करती है। यानि सामुदायिक सरकार। 6

अथवा

(i) विधायकों और सांसदों को दल-बदल करने से रोकने के लिए संविधान संशोधन किया गया।

(ii) चुनाव लड़ने वाले हर उम्मीदवार को अपनी सम्पत्ति का और अपने खिलाफ चल रहे आपराधिक मामलों का ब्यौरा एक शपथ पत्र के माध्यम से देना अनिवार्य कर दिया।

(iii) चुनाव आयोग ने एक आदेश के जरिए सभी दलों के सांगठनिक चुनाव कराना और आयकर रिटर्न भरना जरूरी कर दिया।

(iv) राजनीतिक दलों के कामकाज को व्यवहारिक करने के लिए कानून बनाया जाए।

(v) राजनीतिक दल महिलाओं को एक खास न्यूनतम अनुपात (करीब एक तिहाई) जरूर टिकट दें।

(vi) चुनाव का खर्च सरकार उठाए।

[भूगोल]

[GEOGRAPHY]

20. (ब) ब्राजील 1

Brazil

21. (अ) टकसोल 1

Taxol

22. वह भूमि जिसमें लगातार फसल नहीं ली जाती बल्कि उसकी उर्वरक शक्ति बढ़ाने के लिए कुछ समय के लिए खाली छोड़ दी जाती है। 1

The land which cannot be used for agriculture regularly but leave for a period of time to region its fertility is known as follow land.

23. वह वन क्षेत्र आरक्षित वन कहलाता है जिसमें पशु चराना व लकड़ी काटना सख्त मना हो। 1

The forest area is known as reserved forest where grazing of animals and cutting of trees are strictly prohibited.

24. चट्टानें ***तीन*** प्रकार की होती है : 2

(i) अवसादी चट्टान

(ii) कायान्तरित चट्टान

(iii) आग्नेय चट्टान

Rocks are of ***three*** types :

(i) Sedimentary Rocks

(ii) Metamorphic Rocks

(iii) Igneous Rocks

25. (i) देश के महानगरों को जोड़ना

To link mega/mitropolitin cities of the country

(ii) परिवहन के समय को कम करना

To reduce the time of journey

(iii) आर्थिक विकास 2

Economic development

26. राजस्थान में वर्षा की कमी के कारण प्रायः जल आवश्यकतानुसार कम उपलब्ध होता है अतः जल का संग्रहण वर्षा के समय ही किया जाता है। शुष्क एवं अर्द्ध शुष्क क्षेत्रों में खेतों में गड्ढे बनाकर तथा भूमिगत टैंक बनाकर पानी इकट्ठा किया जाता है। 3

In Rajasthan it is generally observed that the rain fall remains low which cannot fulfill the requirement of water to use for daily purpose and for agriculture. So in arid and semi arid region water is strored in rain fed storage structure by converting agriculture field for it. They also constructed underground tank for it also.

27. वैश्वीकरण का अर्थ है कि अपनी अर्थव्यवस्था को विश्व की अर्थव्यवस्था से जोड़ना। इस अर्थव्यवस्था में कृषि भी मुख्य है क्योंकि भारत एक कृषि प्रधान देश है तथा राष्ट्रीय आय में एक महत्त्वपूर्ण योगदान है। अतः वैश्वीकरण से कृषि का स्वरूप भी बदल गया जो इस प्रकार है : 6

(i) निर्वाह कृषि का व्यापारिक कृषि में परिवर्तन

(ii) अच्छी तकनीकी का प्रयोग

(iii) अच्छे खाद व उत्तम बीज

(iv) कृषि उत्पादन में बढ़ौत्तरी

(v) किसानों की दशा में सुधार

(vi) प्रतिस्पर्धा के कारण उत्तम श्रेणी की खेती को बढ़ावा

Globalization means to integrate our economy with the economy of the world being the main and dominant part of our economy agriculture was also effected as its plays an vital domination in our economy. So this globalization also

change the mode and system of agriculture as follow :

(i) Substential agriculture changed in to trading agriculture

(ii) Use of good fertilizer and HYV seeds

(iii) Increasing in agro production

(iv) Can improvement in farmer living condition

(v) Encourgement in the world forum competition is respect of agriculture.

28. (i) तमिलनाडु 1

Tamil Nadu

(ii) गुजरात 1

Gujarat

(iii) कर्नाटक (मैसूर) 1

Karnataka

[केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए]

[For Blind Candidates Only]

(i) तमिलनाडु 1

Tamil Nadu

(ii) गुजरात 1

Gujarat

(iii) कर्नाटक (मैसूर) 1

Karnataka

[अर्थशास्त्र]

[ECONOMICS]

29. (d) Sri Lanka 1

30. (b) Tax on imports 1

31. 15-20 members 1

32. Tertiary sector 1

33. Per capita income is the total income of the country divided by its total population. 2

34. **Meaning :** MNC is a company that owns or controls production or services in more than one country.

Conditions :

(i) Availability of labour at low rates

(ii) Favourable government policies 1 + 2 = 3

35. 6

Formal sources	Informal sources
(i) They follow those sources of credit, which are registered by the government and have to follow its rules and regulations.	(i) These include those small and scattered units which are largely outside the control of the government.
(ii) RBI supervises the functioning of formal sources of credit.	(ii) There is no organisation which supervises the credit activities.

(iii) They generally charge lower rates of interest.	(iii) They charge much higher rates of interest.
(iv) Their main motive is social welfare.	(iv) Their main motive is profit- making.
Example : Banks and cooperatives.	Example : Moneylenders, traders, employees, relatives and friends, etc.

OR

Please refer **35** of **SET-A**

SET – D

[इतिहास]

[HISTORY]

1. फ्रांसीसी चित्रकार देला क्रोआ सबसे महत्त्वपूर्ण फ्रेंच रूमानी चित्रकारों में से एक थे। 1

2. (ब) 1880 के दशक के आखिरी सालों में। 1

3. चार्ल्स डिकेन्स ने। 1

4. सैमुएल रिचर्डसन। 1

5. आधुनिक काल में औद्योगीकरण ने शहरीकरण के स्वरूप पर गहरा असर डाला है। इसके बावजूद, 1850 के दशक तक भी, यानी औद्योगिक क्रान्ति की शुरुआत होने के कई दशक तक भी ज्यादातर पश्चिमी शहर मोटे तौर पर ग्रामीण किस्म के शहर ही थे। लीड्स और मैनचेस्टर जैसे प्रारम्भिक औद्योगिक शहर 18वीं सदी के आखिर में स्थापित किए गए कपड़ा मिलों के कारण प्रवासी मजदूरों को बड़ी संख्या में आकर्षित कर रहे थे। 1851 में मैनचेस्टर में रहने वाले तीन चौथाई से ज्यादा लोग ग्रामीण इलाके से प्रवासी मजदूर थे। 3

6. सदियों तक चीन से रेशम और मसाले रेशम मार्ग से यूरोप आते रहे थे। ग्यारहवीं सदी में चीनी कागज भी उसी रास्ते वहाँ पहुँचा। कागज ने कालिकों या मुंशियों द्वारा सावधानीपूर्वक लिखी गई पांडुलिपियों के उत्पादन को मुमकिन बनाया। फिर 1295 में मार्को पोलो नामक महान खोजी यात्री चीन में काफी साल तक खोज करने के बाद इटली वापस लौटा। चीन के पास वुड ब्लॉक (काठ की तख्ती) वाली छपाई की तकनीक पहले से मौजूद थी। मार्को पोलो यह ज्ञान अपने लेकर लौटा फिर क्या था, इतालवी भी तख्ती की छपाई से किताबें निकालने लगे और जल्द ही यह तकनीक बाकी यूरोप में फैल गई। 3

7. महात्मा गाधी जनवरी, 1915 में भारत लौटे। इससे पहले वे दक्षिण अफ्रीका में थे। उन्होंने एक नए तरह के जनांदोलन के रास्ते पर चलते हुए यहाँ नस्लभेदी सरकार से सफलतापूर्वक लोहा लिया था। इस पद्धति को वे सत्याग्रह कहते थे। सत्याग्रह के विचार में सत्य की शक्ति पर आग्रह और सत्य की खोज पर जोर दिया जाता था। इसका अर्थ यह था कि अगर आपका उद्देश्य सच्चा है, यदि आपका संघर्ष अन्याय के खिलाफ है तो उत्पीड़क से मुकाबला करने के लिए आपको शारीरिक बल की आवश्यकता नहीं है। प्रतिशोध की भावना या आक्रामकता का सहारा लिए बिना सत्याग्रही केवल अहिंसा के सहारे भी अपने संघर्ष में सफल हो सकता है। इसके लिए दमनकारी शत्रु की चेतना को झिंझोड़ना चाहिए। उत्पीड़क शत्रु को ही नहीं बल्कि सभी लोगों को हिसा के सत्य को स्वीकार करने पर विचार करने की बजाए सच्चाई को देखने और सहज भाव से स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। इस संघर्ष में अन्ततः सत्य की ही जीत होती है। गाँधी जी का विश्वास था कि अहिंसा का यह धर्म सभी भारतीयों को एकता के सूत्र में बांध सकता है।

भारत में आने के बाद गाँधी जी ने कई स्थानों पर सत्याग्रह आन्दोलन चलाया। 1916 में उन्होंने बिहार के चम्पारन का दौरा किया और दमनकारी बागान व्यवस्था के खिलाफ किसानों को संघर्ष के लिए प्रेरित किया। 6

अथवा

19वीं शताब्दी के इंग्लैण्ड के घरों और कारखानों के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल से गम्भीर समस्याएँ पैदा हो गई थी। लीड्स, ब्रैड फोर्ड और मैनचेस्टर जैसे औद्योगिक शहरों में कारखानों की सैकड़ों चिमनियाँ बेहिसाब काला धुआँ फेंकती रहती थी। लोग मजाक में कहने लगे थे कि थोड़े दिन बाद इन शहरों के लोग यही मानने लगेंगे कि आसमान मटमैला होता है और पेड़-पौधे काले होते हैं। दुकानदार, मकानमालिक और तमाम लोग इस बात से परेशान रहने लगे थे कि उनके शहरों पर स्याह कोहरा छाया रहता है जिससे लोगों को जल्दी गुस्सा आ जाता है। धुएँ से जुड़ी बीमारियाँ फैलती हैं और कपड़े सदा गंदे रहते हैं।

8. (i) मुम्बई 1

(ii) मुम्बई 1

(iii) जमशेदपुर 1

(iv) कलकत्ता 1

[केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए]

[For Blind Candidates Only]

(i) मुम्बई 1

(ii) मुम्बई 1

(iii) जमशेदपुर 1

(iv) कलकत्ता 1

9. (ब) 25 देशों में संघीय शासन व्यवस्था है। 1

10. (ब) 1 नवम्बर, 1956 को लागू किया गया। 1

11. 2000 ई० में मेवात विकास सभा की स्थापना हुई। 1

12. संयुक्त प्रान्त, मध्य प्रान्त, बम्बई, मैसूर। 1

13. **भारत की संघीय व्यवस्था में बेल्जियम के समान विशेषता :** भारत एवं बेल्जियम दोनों देशों की संघीय व्यवस्था में केन्द्र एवं राज्यों के स्तर पर सरकार के कार्यों एवं शक्तियों का स्पष्ट विभाजन किया गया है।

भिन्न विशेषता : बेल्जियम की संघी व्यवस्था में सभी राज्यों को समान अधिकार हैं। किसी भी राज्य के पास विशेषाधिकार नहीं है जबकि भारत में जम्मू-कश्मीर में राज्य अलग विशेषाधिकार दिए हैं जिसमें उसका अपना अलग संविधान है। 2

14. (i) साम्प्रदायिकता की सबसे आम अभिव्यक्ति दैनिक जीवन में ही दिखती है। इनमें धार्मिक पूर्वाग्रह, धार्मिक समुदायों के बारे में बनी बनाई धारणाएँ।

(ii) साम्प्रदायिक सोच अक्सर अपने धार्मिक समुदाय का राजनीतिक प्रभुत्व स्थापित करने की फिराक में रहती हैं।

(iii) साम्प्रदायिक आधार पर राजनीतिक गोलबन्दी साम्प्रदायिकता का दूसरा रूप है।

(iv) कई बार साम्प्रदायिकता सबसे गन्दा रूप लेकर सम्प्रदाय के आधार पर हिंसा, दंगा और नरसंहार कराती हैं। 2

15. महिला संगठनों और कार्यकर्त्ताओं की माँग है कि लोकसभा और राज्य विधान सभाओं की भी एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित कर देनी चाहिए। संसद में इस आशय का एक विधेयक पेश भी किया गया था। पर दस वर्षों से ज्यादा अवधि से वह लटका पड़ा है। सभी राजनीतिक पार्टियाँ इस विधेयक को लेकर एकमत नहीं हैं और यह पास नहीं हो सका। 2

16. (i) जनता का समर्थन और सहानुभूति हासिल करना।

(ii) ऐसे समूह, अक्सर हड़ताल अथवा सरकारी-काम काज में बाधा पहुँचाते हैं।

(iii) व्यवसाय - समूह अक्सर पेशेवर लाविस्ट नियुक्त करते हैं अथवा महँगे विज्ञापन को प्रायोजित करते हैं।

(iv) दबाव-समूह राजनीतिक दलों द्वारा बनाए गए होते हैं।

(v) कभी-कभी आन्दोलन राजनीतिक दल का रूप अख्तियार कर लेते हैं।

(vi) अधिकांश तथा दबाव-समूह और आन्दोलन का राजनीतिक दलों से प्रत्यक्ष सम्बन्ध नहीं होता है। (कोई ***तीन***) 3

17. (i) पहली चुनौती है पार्टी के भीतर आन्तरिक लोकतन्त्र का न होना।

(ii) दूसरी चुनौती पहली चुनौती से जुड़ी है यह है वंशवाद की चुनौती।

(iii) तीसरी चुनौती दलों में (खासकर चुनाव के समय) पैसा और अपराधी तत्वों की बढ़ती घुसपैठ की है।

(iv) चौथी चुनौती पार्टियों के बीच विकल्पहीनता की स्थिति की हैं। 3

18. (i) महिलाओं में साक्षरता की दर अब भी मात्र 54% है जबकि पुरुषों में 76% है।

(ii) अब भी ऊँची तनख्वाह वाले ऊँचे पदों पर पहुँचने वाली महिलाओं की संख्या बहुत ही कम है।

(iii) समान काम के समान मजदूरी, पुरुषों की तुलना में कम मजदूरी मिलती है।

(iv) भारत के अनेक हिस्सों में माँ-बाप को सिर्फ लड़के की चाह होती है। लड़की को जन्म लेने से पहले ही खत्म कर देने के तरीके इसी मानसिकता से पनपते हैं। 3

19. (i) शासन के विभिन्न अंग, जैसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता का बंटवारा।

(ii) सरकार के बीच विभिन्न स्तरों पर सत्ता का बंटवारा हो सकता है।

(iii) सत्ता का बंटवारा विभिन्न सामाजिक समूहों, मसलन भाषायी और धार्मिक समूहों के बीच भी हो सकता है।

(iv) सत्ता के बंटवारे का एक रूप हम विभिन्न प्रकार के दबाव समूह और आन्दोलनों द्वारा शासन के प्रभावित और नियंत्रित करने के तरीके में भी लक्ष्य कर सकते हैं। 6

अथवा

(i) दल चुनाव लड़ते हैं।

(ii) दल अलग-अलग नीतियों और कार्यक्रमों को मतदाताओं के सामने रखते हैं।

(iii) पार्टियाँ देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। कानूनों पर औपचारिक बहस होती है।

(iv) चुनाव हारने वाले दल शासक दल के विरोधी दल की भूमिका निभाते हैं। विपक्षी दल सरकार के खिलाफ जनता को गोलबन्द करते हैं।

(v) नीतियों और बड़े फैसलों में निर्णय राजनेता ही लेते हैं और ये नेता विभिन्न दलों के होते हैं।

(vi) जनमत निर्माण में दल महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(vii) दल ही सरकारी मशीनरी और सरकार द्वारा चलाए जाने वाले कल्याण कार्यक्रमों तक लोगों को पहुँचाते हैं।

[भूगोल]

[GEOGRAPHY]

20. (स) महाराष्ट्र 1

Maharashtra

21. (अ) उड़ीसा 1

Orissa

22. (i) बिजली में काम आता है। 1

Use in Electricity.

(ii) हवाई जहाज/वायुयान बनाने के काम आता है।

Use in making aeroplane/craft.

(iii) बर्तन बनाने के काम आता है।

Use in making utencils.

23. विकास जो पर्यावरण को नुकसान न पहुँचाए और वर्तमान विकास की प्रक्रिया भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकता की अवहेलना ना करे। 1

Development that takes place without demaging the environment and development in the present not compromise with the needs of future generations.

24. (i) उच्च ताप एवं उच्च आर्द्रता।

High temperature and high humidity.

(ii) अधिक वर्षा कम से कम 100 सेमी०।

High rainfall at least 100 cm.

(iii) चिकनी दोमट मिट्टी।

Alluvial soil. 2

25. वन्य जीवन तथा उगाए जाने वाले पेड़-पौधों प्रजातियों तथा कार्यों में विविधता पाई जाती है फिर भी एक-दूसरे पर निर्भरता के कारण निकट का सम्बन्ध है। इसे जैव विविधता कहते हैं। 2

Biodiversity is immensely rich in wildlife and cultivated species, diverse in form and function but closely integrated in a system through multiple networks of independencies.

26. सड़क परिवहन, रेल परिवहन की अपेक्षाकृत अधिक प्रभावी है : 3

Road transport system in more effective than rail transport :

(i) सड़क बनाना सरल है।

Road is easy to construct.

(ii) हर क्षेत्र में सड़क का निर्माण किया जा सकता है।

Can be constructed all type of road.

(iii) सड़क बनाना कम खर्चीला है।

It requires least expenditure.

(iv) थोड़ी दूरी के लिए बहुत प्रभावी है।

More effective to go in short distances.

(v) जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं को जल्दी पहुँचाया जा सकता है।

More periciable items can effectively be transported.

(vi) प्रत्येक गाँव व शहर को जोड़ा जा सकता है।

Each villages and cities can be connected easily.

27. जब जल की उपलब्धता उसकी आवश्यकता से कम हो तो उसे जल दुर्लभता कहते हैं। एक कथन के अनुसार जब जल की उपलब्धता प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन 1000 घन मीटर से कम हो तो वह भी जल दुर्लभता कहलाती है। इसके मुख्य कारण इस प्रकार हैं : 6

When water is not available according to the need and requirement is known as water scarcity. In a statement it is also stated that if water is not available for a person per day @1000m^3 for use is also known as scarcity of water. The main causes of water scarcity are as follows :

(i) वर्षा की कमी
Low rainfall

(ii) अधिक जनसंख्या
Over population

(iii) भौम जल का स्तर अधिक प्रयोग के कारण नीचे गिरना
Decreasing of underground water table

(iv) जल प्रदूषण
Water pollution

(v) जल प्रबन्धन की कमी
Lack of water management

(vi) अतिशोषण
Excess use of underground water

28. (i) छत्तीसगढ़ 1

Chhattisgarh

(ii) उत्तर प्रदेश 1

Uttar Pradesh

(iii) पश्चिम बंगाल 1

West Bengal

[केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए]

[For Blind Candidates Only]

(i) छत्तीसगढ़ 1

Chhattisgarh

(ii) उत्तर प्रदेश 1

Uttar Pradesh

(iii) पश्चिम बंगाल 1

West Bengal

[अर्थशास्त्र]

[ECONOMICS]

29. (d) Agmark 1

30. (c) buy existing local companies 1

31. Human Development Index 1

32. Jet Airways- Private sector 1

33. Main ways : Adulteration, False claim, Under measurement, Substandard goods, Duplicate items etc. (any ***two***) 2

34. Organised sector : 3

(i) The sector is registered by the government.

(ii) The terms of employment are regular.

(iii) The sector is governed by various laws such as the Factories Act, Minimum Wages Act, etc.

(iv) This sector includes banks, hospitals, schools, etc.

Unorganised sector :

(i) The sector is not registered by the government.

(ii) The terms of employment are not regular.

(iii) The sector is not governed by any act.

(iv) This sector includes a large number of people who are employed on their own doing small jobs i.e small and marginal farmers, artisans like weavers, carpenters, blacksmiths, etc.

35. Demand deposits : 2 + 4 = 6

The deposits in the bank account which can be withdrawn on demand are known as demand deposits.

Features :

(i) People have the provision to withdraw the money as and when they require.

(ii) Bank allows the owner of demand deposits to make out a cheque for a specific amount.

OR

Meaning : Globlisation means integrating our economy with the world economy. 2 + 4 = 6

Advantages :

(i) Resources of different companies are used for producing goods and services more efficiently.

(ii) Consumers get better choice of goods and quality goods.

(iii) Consumers get good what they want at competitive rates.

(iv) New jobs/employment opportunity are created.

(v) It brings new technology & expertise.

(vi) Consumers get access to much wider market. (any ***four***)